PRSU UNIVERSITY-2016

HINDI LITERATURE (Hindi Katha Sahitya)-2016

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : a2zSubjects.com

(क) वह धन, जो भोजन में खर्च होना चाहिए, बाल-बच्चों का पेट काटकर गहनों की भेंट कर दिया जाता हैं। बच्चों को दूध मिले न सही। घी की गंध तक उनकी नाक में न पहुँचे, न सही। मेवों और फलों के दर्शन उन्हें न हों कोई परवा नहीं, पर देवी जी गहने जरूर पहनेंगी और स्वामीजी गहने जरूर बनवायेंगे। दस-दस, बीस-बीस रुपये पाने वाले क्लर्कों को देखता हूँ, जो सड़ी हुई कठोरियों में पशुओं की भाँति जीवन काटते हैं, जिन्हें सबेरे का जलपान तक मयस्सर नहीं होता, उन पर भी गहनों की सनक सवार रहती है। इस प्रथा से हमारा सर्वनाश होता जा रहा है। मैं तो कहता हूँ, यह गुलामी पराधीनता से कहीं बढ़कर है। इसके कारण हमारा कितना आत्मिक, नैतिक, दैहिक, आर्थिक और धार्मिक पतन हो रहा है इसका अनुमान ब्रह्मा भी नहीं कर सकते।

उसे जान पड़ा, आसमान फट पड़ा है, मानो कोई भयंकर जन्तु उसे निगलने के लिए बढ़ा चला आता है। वह धड़-धड़ करता हुआ ऊपर से उतरा और घर के बाहर निकल गया। कहाँ अपना मुहँ छिपा ले। कहाँ छिप जाय। जहाँ कोई उसे देख न सके। उसकी दशा वही थी, जो किसी नंगे आदमी की होती है। आह! सारा परदा खुल गया, उसकी सारी कपटलीला खुल गयी।

(ख) जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत, उसकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना चाहते थे, कहीं ज्यादा प्रसन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी।

या पेट की अंतड़ियों के पास से जैसे कोई चीज उसकी साँस को रोक रही थी। उसका सारा जिस्म पसीने से भीग गया था और उसके तलुओं में चुनचुनाहट हो रही थी। बीच-बीच में नीली फुलझड़ियों सी ऊपर से उतरती और तैरती हुई उसकी आँखों के सामने से निकल जाती। उसे अपनी जुबान और होठों के बीच एक फासला सा महसूस हो रहा था। उसने अंगोछे से होठों के कोनों को साफ किया। साथ ही उसके मुँह से निकला हे प्रभु तू ही है, तू ही है, तू ही है। a2zSubjects.com

(ग) उन दिनों एक अजब वैराग्य की भावना उनके मन मस्तिष्क पर छाने लगी। कोई किसी का नहीं है, सब अपने-अपने मतलब के हैं। उन्हीं बच्चों के लिए उन्होंने क्या-क्या मुसीबतें नहीं उठाई? आज कोई कभी सोचता तक नहीं कि बुड्ढा मर गया या जिन्दा है? नीचे बैठे-बैठे वे सारे दिन गीता के तरह-तरह के भाषण और श्रीमद्भागवत पढ़ते रहते और मन ही मन प्रतीक्षा किया करते कि माफी माँगते हुए मालती का पत्र आयेगा।

या बाहर मरद इन्तजाम कर रहे थे, खिला रहे थे। निहाल और नारायण ने लडाई में महँगा नाज बेचकर जो घड़ों में नोटों की चाँदी बनाकर डाली थी, वह निकली और बौहरे का कर्ज चढ़ा। पर डाँग में लोगों ने कहा - गदल का ही बूता था। बेटे तो हार बैठे थे। कानून क्या बिरादरी से ऊपर है।

2. 'गबन' उपन्यास के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

या 'गबन' उपन्यास की मूल समस्या क्या है? प्रेमचन्द ने इस समस्या का क्या हल बताया है? तर्कपूर्ण विवेचना कीजिए। a2zSubjects.com

3. कहानी के तत्वों के आधार पर 'कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

या 'मलबे का मालिक' कहानी में मानवीय संवेदनाओं का मार्मिक चित्रण हुआ है। इस पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (i) उपेन्द्रनाथ अश्क का साहित्यिक परिचय दीजिए।
   (ii) रांगेय राघव की कहानी कला के बारे में लिखिए।
   (iii) 'बिरादरी बाहर' कहानी का उद्देश्य लिखिए।
   (iv) शिवानी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।
   (v) 'आकाशदीप' कहानी की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए।
   (vi) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों में आंचलिकता का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए :
   (i) 'गबन' उपन्यास के उपन्यासकार का नाम बताइए।
   (ii) 'गबन' उपन्यास की नायिका कौन हैं?
   (iii) माधव और घीसू किस कहानी के पात्र हैं?
   (iv) 'आकाशदीप' के रचनाकार कौन हैं?
   (v) चम्पा किस कहानी की पात्र है?
   (vi) 'परदा' कहानी किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है?
   (vii) 'ठेस' कहानी किसने लिखी है?
   (viii) 'ठेस' कहानी में ठेस किसको लगती है?
   (ix) 'मलबे का मालिक' कहानी के रचयिता का नाम लिखिए।
   (x) विभाजन की त्रासदी का सटीक वर्णन किस कहानी में किया गया है?
   (xi) 'चीफ की दावत' कहानी के कहानीकार का नाम बताइए।
   (xii) 'चीफ की दावत' कहानी किस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है?
   (xiii) 'बिरादरी बाहर' कहानी के नायक का नाम बताइए।
   (xiv) 'पर्दा उठाओ पदह गिराओं' किसने लिखा हैं?
   (xi) शिवानी का जन्म कहाँ हुआ था?
   (xvi) 'चौदह फेरे' किसने लिखा है? a2zSubjects.com
   (xvi) बालशौरि रेड्डी की तेलगू में कितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई?
   (xviii) बालशौरि रेड्डी ने तेलगू साहित्य का इतिहास कौन से सन् में लिखा?
   (xix) रांगेय राघव की कौन सी कहानी हमारी पाठ्य-पुस्तक में संकलित है?